HIMALAYAN FAULTS

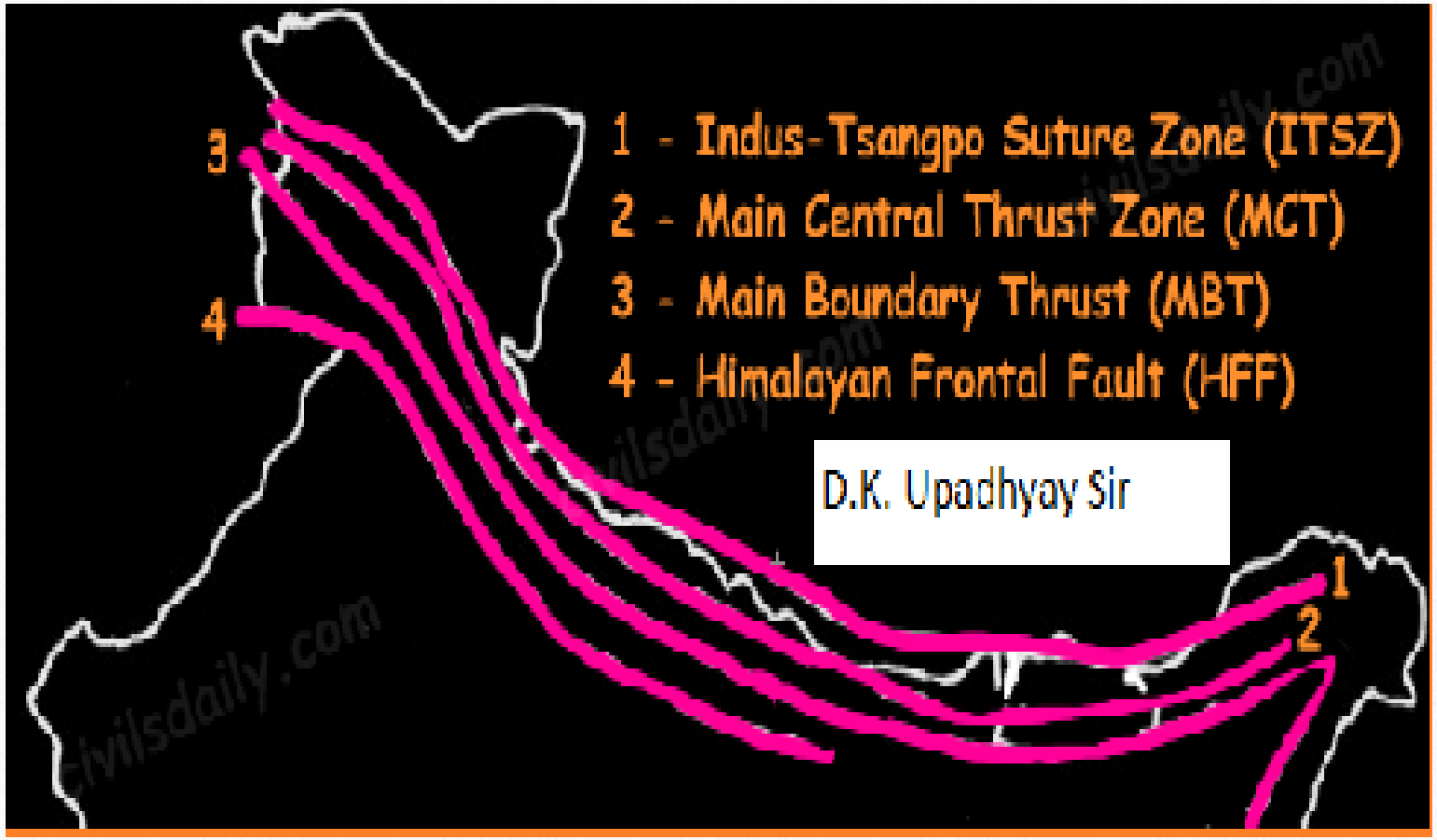

D.k. Upadhyay sir

TRANS HIMALAYA

The Trans-Himalayas Mountain Region or Tibet Himalayan Region is located to the north of the Great Himalayas which is consists of Karakoram, Ladakh, Zaskar and Kailash mountain ranges. It is also called the Tibet Himalayan Region because most of the part of these ranges lies in the Tibet. The Karakoram Range is known as the 'backbone of high Asia'. K2 is the second highest peak in the world and highest in the Indian Territory.

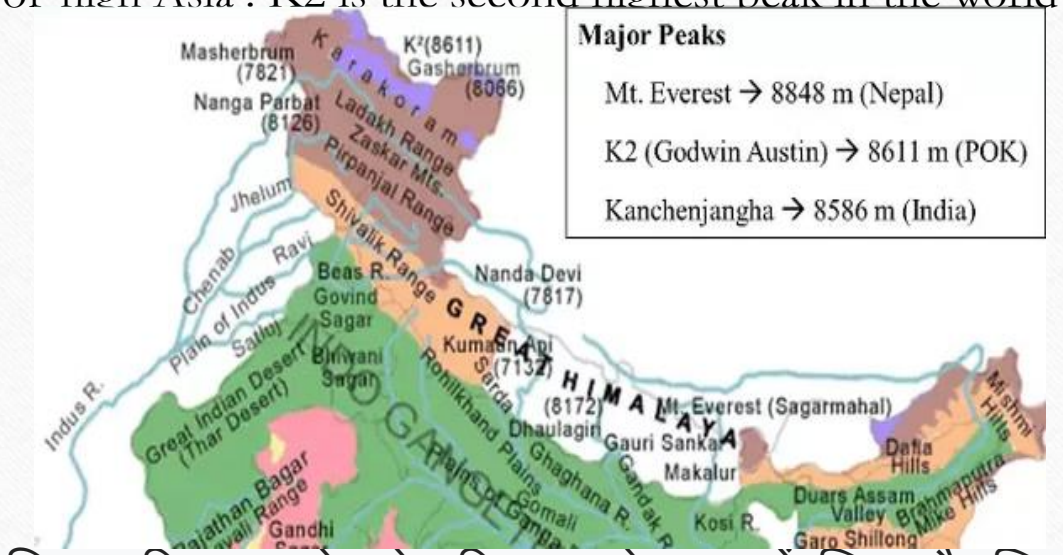

ट्रांस-हिमालय पर्वत क्षेत्र या तिब्बत हिमालय क्षेत्र ग्रेट हिमालय के उत्तर में स्थित है, जिसमें काराकोरम, लद्दाख, ज़स्कर और कैलाश पर्वत श्रृंखला शामिल हैं। इसे तिब्बत हिमालय क्षेत्र भी कहा जाता है क्योंकि इनमें से अधिकांश भाग तिब्बत में स्थित हैं। काराकोरम रेंज को 'उच्च एशिया की रीढ़' के रूप में जाना जाता है। K2 दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची चोटी है और भारतीय क्षेत्र में सबसे ऊंची है।

D.K. Upadhyay Sir

TRANS HIMALAYA

The Himalayan Mountains are bordered on the northwest by the Ladakh, Karakoram, Pamir and the Hindu Kush ranges, while the Tibetan Plateau in the central part controls its overall shape. A 50–60 km wide tectonic valley, the Indus–Tsangpo Suture Zone, separates these geographical units as a garland throughout the Himalayan ranges from extreme west to the east. These mountain ranges of the Trans-Himalayan and Karakoram Mountains are essentially drained by the Indus, Shyok, Nubra Rivers and their tributaries in the west, and Tsangpo-Brahmaputra drainage system in the east.

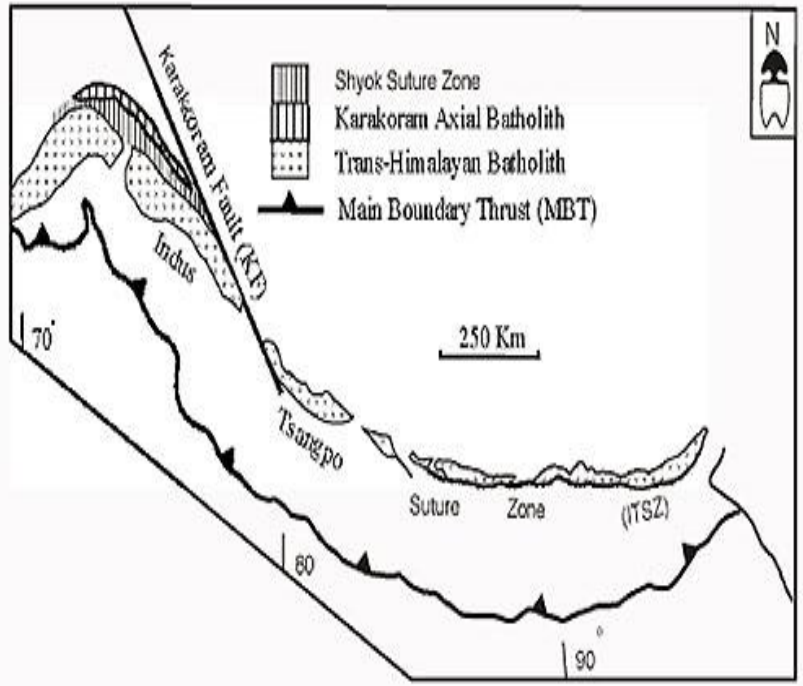

हिमालय पर्वत लद्दाख, काराकोरम, पामीर और हिंदू कुश पर्वतमाला द्वारा उत्तर पश्चिम में बसा है, जबकि मध्य भाग में तिब्बती पठार अपने समग्र आकार को नियंत्रित करता है। 50-60 किमी चौड़ी टेक्टॉनिक घाटी, सिंधु-त्संग्पो सिवनी ज़ोन, इन भौगोलिक इकाइयों को एक माला के रूप में पूरे हिमालयी पर्वतमाला से पश्चिम से पूर्व की ओर अलग करती है। ट्रांस-हिमालय और काराकोरम पर्वत की इन पर्वत श्रृंखलाओं को अनिवार्य रूप से पश्चिम में सिंधु, श्योक, नुब्रा नदियों और उनकी सहायक नदियों और पूर्व में त्संगपो-ब्रह्मपुत्र जल निकासी प्रणाली द्वारा सूखा जाता है।

SAFALTA.COM
An Initiative by अमर उजाला

The Trans Himalayas

•The Himalayan ranges immediately north of the Great Himalayan range.
•Also called the **Tibetan Himalaya** because most of it lies in Tibet.
•The **Zaskar**, the **Ladakh**, the **Kailas** and the **Karakoram** are the main ranges.
•It stretches for a distance of about 1,000 km in east-west direction.
•Average elevation is 3000 m above mean sea level.
•The average width of this region is 40 km at the extremities and about 225 km in the central part.
•The **Nanga Parbat (8126 m)** is an important range which is in The Zaskar Range.
•North of the Zaskar Range and running parallel to it is the Ladakh Range. Only a few peaks of this range attain heights of over 6000 metres.
•The Kailas Range (**Gangdise in Chinese**) in western Tibet is an offshoot of the Ladakh Range. The highest peak is Mount Kailas (6714 m). **River Indus originates from the northern slopes of the Kailas range.**
•The northern most range of the Trans-Himalayan Ranges in India is the Great **Karakoram Range** also known as the **Krishnagiri range**.
•**Karakoram Range** extends eastwards from the Pamir for about 800 km. It is a range with lofty peaks [elevation 5,500 m and above]. It is the **abode of some of the greatest glaciers** of the world outside the polar regions.
•Some of the peaks are more than 8,000 metre above sea level. **K2 (8,611 m)[Godwin Austen or Qogir]** is the second highest peak in the world and the highest peak in the Indian Union.
•The Ladakh Plateau lies to the north-east of the Karakoram Range. It has been dissected into a number of plains and mountains [Soda Plains, Aksai Chin, Lingzi Tang, Depsang Plains and Chang Chenmo]

SAFALTA.COM
An Initiative by अमर उजाला

ट्रांस हिमालय हिमालयन ग्रेट हिमालयन रेंज के तुरंत उत्तर में स्थित है। इसे तिब्बती हिमालय भी कहा जाता है क्योंकि इसका अधिकांश भाग तिब्बत में है। जसकर, लद्दाख, कैलास और काराकोरम मुख्य श्रेणियाँ हैं। यह पूर्व-पश्चिम दिशा में लगभग 1,000 किमी की दूरी तक फैला है। औसत ऊंचाई समुद्र तल से 3000 मीटर ऊपर है। इस क्षेत्र की औसत चौड़ाई 40 किमी और चरम सीमा पर मध्य भाग में लगभग 225 किमी है। नंगा परबत (8126 मीटर) एक महत्वपूर्ण सीमा है जो द ज़स्कर श्रेणी में है। ज़स्कर रेंज के उत्तर और इसके समानांतर चलने वाली लद्दाख रेंज है। इस श्रेणी के कुछ ही शिखर 6000 मीटर से अधिक की ऊँचाई प्राप्त करते हैं। पश्चिमी तिब्बत में कैलास रेंज (चीनी में गैंगडीज़) लद्दाख रेंज की एक शाखा है। सबसे ऊंची चोटी माउंट कैलास (6714 मीटर) है। कैलास रेंज के उत्तरी ढलान से सिंधु नदी का उद्गम होता है। भारत में ट्रांस-हिमालयन रेंज की सबसे उत्तरी रेंज ग्रेट काराकोरम रेंज है जिसे कृष्णगिरी रेंज के नाम से भी जाना जाता है। काराकोरम रेंज पामीर से पूर्व की ओर लगभग 800 किमी तक फैली हुई है। यह ऊँची चोटियों [५,५०० मीटर और उससे अधिक ऊँचाई] के साथ एक सीमा है। यह ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर दुनिया के कुछ महानतम ग्लेशियरों का निवास है। कुछ चोटियाँ समुद्र तल से 8,000 मीटर से अधिक ऊँची हैं। K2 (8,611 मीटर) [गोडविन ऑस्टेन या कोगीर] दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची और भारतीय संघ की सबसे ऊंची चोटी है। लद्दाख का पठार काराकोरम रेंज के उत्तर-पूर्व में स्थित है। यह कई मैदानों और पहाड़ों [सोडा मैदान, अक्साई चिन, लिंगज़ी तांग, देपसांग मैदान और चांग चेनमो] में विच्छेदित हो गया है।